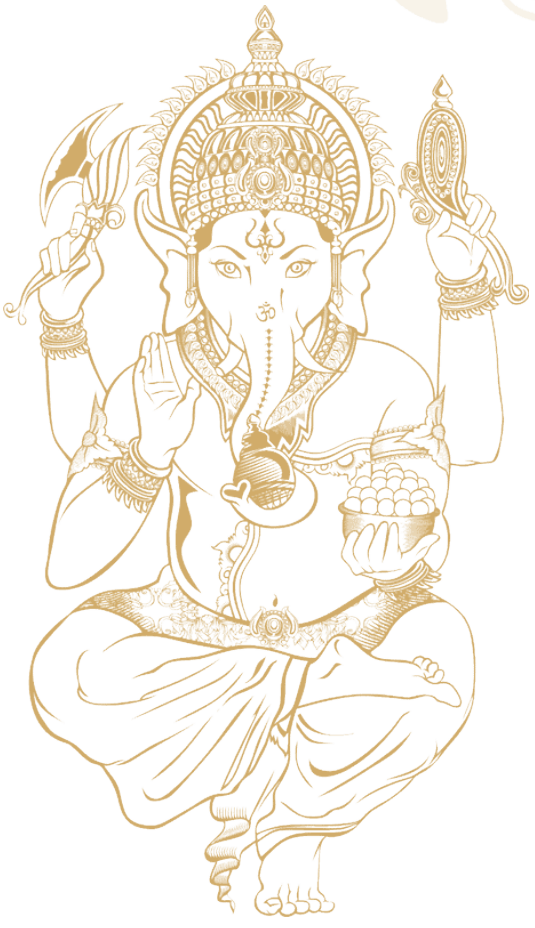

Mr. Shubham Mishra

Ms.Muskan sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120717203

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
03/09/1998 :	जन्म तिथि	: 03/07/2001
गुरुवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 18:35:00 :	जन्म समय	: 19:19:00 घंटे
घटी 31:20:41 :	जन्म समय(घटी)	: 33:51:43 घटी
India :	देश	: India
Hyderabad :	स्थान	: Sikar
17:22:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:51:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:02:43 :	सूर्योदय	: 05:37:24
18:28:22 :	सूर्यास्त	: 19:28:57
23:50:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 9मा 8दि		20:03:10	कुंभ	लग्न	धनु	16:22:27	बुध 7वर्ष 1मा 5दि	
राहु		16:59:48	सिंह	सूर्य	मिथु	17:49:07	शुक्र	
12/06/2016		08:16:47	मक	चंद्र	वृश्चि	24:25:58	09/08/2015	
13/06/2034		14:57:39	कर्क	मंगल व	वृश्चि	23:04:25	09/08/2035	
राहु	23/02/2019	29:22:11	कर्क	बुध	वृष	28:32:23	शुक्र	08/12/2018
गुरु	19/07/2021	00:51:42	मीन व	गुरु	मिथु	04:00:34	सूर्य	08/12/2019
शनि	25/05/2024	02:08:04	सिंह	शुक्र	वृष	03:50:01	चन्द्र	08/08/2021
बुध	12/12/2026	09:29:12	मेष व	शनि	वृष	15:22:27	मंगल	08/10/2022
केतु	31/12/2027	07:38:35	सिंह	राहु	मिथु	12:30:50	राहु	08/10/2025
शुक्र	31/12/2030	07:38:35	कुंभ	केतु	धनु	12:30:50	गुरु	08/06/2028
सूर्य	24/11/2031	15:45:52	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:29:39	शनि	09/08/2031
चन्द्र	25/05/2033	05:55:28	मक व	नेप व	मक	14:12:20	बुध	09/06/2034
मंगल	13/06/2034	11:33:10	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:18:19	केतु	09/08/2035

लग्न-चलित

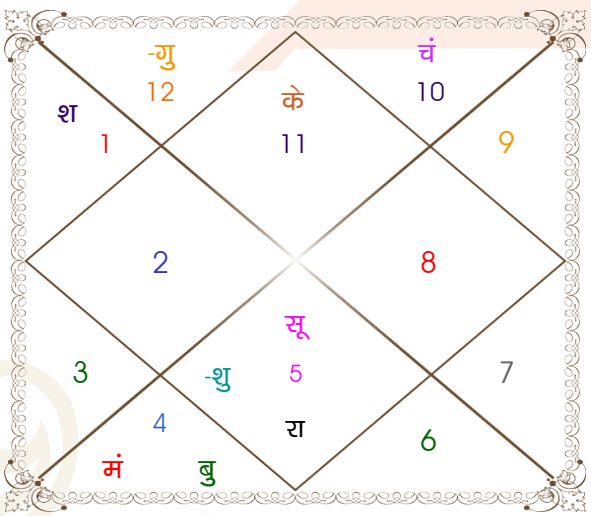

लग्न-चलित

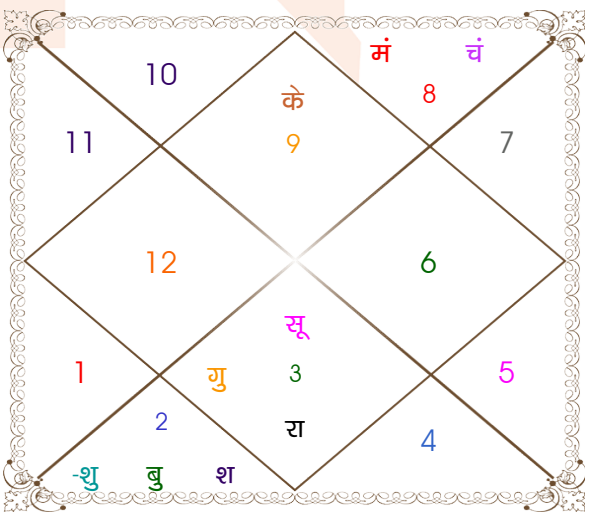

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्ैनिइींउ डपीतं का वर्ग सिंह है तथा डेण्डनेांद ीतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ैनिइींउ डपीतं और डेण्डनेांद ीतउं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ैनिइींउ डपीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण्डनेांद ीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्डनेांद ीतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्डनेांद`ीतउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेण्डनेांद`ीतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्`ीनईीउ डपीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्`ीनईीउ डपीतं तथा डेण्डनेांद`ीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।